स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

(एम. एच. डी.)

एम. ए. (हिंदी)

मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
नई दिल्ली-110068
ई-मेल : soh@ignou.ac.in

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
एम. ए. (हिंदी)
कृपया ध्यान दें

कार्यक्रम कोड एम. एच. डी. **कुल क्रेडिट: 64**

प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम (अनिवार्य): कुल क्रेडिट: 32)

अनिवार्य पाठ्यक्रम

MHD-02 : आधुनिक हिंदी काव्य	8 क्रेडिट
MHD-03 : उपन्यास एवं कहानी	8 क्रेडिट
MHD-04 : नाटक और अन्य गद्य विधाएँ	8 क्रेडिट
MHD-06 : हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास	8 क्रेडिट

दूसरे वर्ष में भी 32 क्रेडिट के पाठ्यक्रम का अध्ययन करना होगा जिनका विवरण इस प्रकार है।

अनिवार्य पाठ्यक्रम

MHD-01 : हिंदी काव्य-1 (आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)	4 क्रेडिट
MHD-05 : साहित्य सिद्धांत और समालोचना	8 क्रेडिट
MHD-07 : भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा	4 क्रेडिट

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

माड्यूल '1' - कहानी : विशेष अध्ययन

MHD-09 : कहानी : स्वरूप और विकास	4 क्रेडिट
MHD-10 : प्रेमचंद की कहानियाँ	4 क्रेडिट
MHD-11 : हिंदी कहानी	4 क्रेडिट
MHD-12 : भारतीय कहानी	4 क्रेडिट

अथवा

माड्यूल '2' – उपन्यास: विशेष अध्ययन

MHD-13 : उपन्यास : स्वरूप और विकास	4 क्रेडिट
MHD 14 : हिंदी उपन्यास-1 (प्रेमचंद का विशेष अध्ययन)	4 क्रेडिट
MHD-15 : हिंदी उपन्यास-2	4 क्रेडिट
MHD-16 : भारतीय उपन्यास	4 क्रेडिट

अथवा

माड्यूल '3' - दलित साहित्य : विशेष अध्ययन

MHD-17 : भारत की चिंतन परम्पराएं और दलित साहित्य	4 क्रेडिट
MHD-18 : दलित साहित्य की अवधारणा एवं स्वरुप	4 क्रेडिट
MHD-19 : हिंदी दलित साहित्य का विकास	4 क्रेडिट
MHD-20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य	4 क्रेडिट

अथवा

माड्यूल '4' - मध्यकालीन कविता

MHD- 21 : मीरा का विशेष अध्ययन	4 क्रेडिट
MHD- 22 : कबीर का विशेष अध्ययन	4 क्रेडिट
MHD- 23 : मध्यकालीन कविता -1	4 क्रेडिट
MHD- 24 : मध्यकालीन कविता - 2	4 क्रेडिट

एम.ए. (हिंदी) प्रथम वर्ष का पाठ्य विवरण

एम.एच.डी.-02 : आधुनिक हिंदी काव्य

8 क्रेडिट

खंड 1 नवजागरण काव्य

इकाई 1 भारतेंदु हरिश्चंद्र का काव्य
इकाई 2 मैथिलीशरण गुप्त का काव्य
इकाई 3 भारतेंदु हरिश्चंद्र और मैथिलीशरण गुप्त की काव्यभाषा और शिल्प

खंड 2 छायावादी काव्य (एक)

इकाई 4 जयशंकर प्रसाद के काव्य में राष्ट्रीय चेतना की विशिष्टता और आधुनिक भावबोध
इकाई 5 जयशंकर प्रसाद की भाषा और काव्य-शिल्प
इकाई 6 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के काव्य का वैचारिक आधार
इकाई 7 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के काव्य में प्रयोगशीलता की दिशाएँ
इकाई 8 'राम की शक्तिपूजा' : एक पाठावलोकन

खंड 3 छायावादी काव्य (दो) तथा छायावादोत्तर काव्य

इकाई 9 महादेवी वर्मा की काव्य संवेदना
इकाई 10 महादेवी वर्मा की प्रतीक योजना
इकाई 11 सुमित्रानंदन पंत की काव्य-यात्रा के विविध चरण
इकाई 12 सुमित्रानंदन पंत की काव्य-शिल्प : भाषा और शैली
इकाई 13 दिनकर के काव्य की अंतर्धाराएँ

खंड 4 प्रगतिशील काव्य

इकाई 14 नागार्जुन के काव्य में संवेदना के रूप
इकाई 15 नागार्जुन काव्य का रचना विधान
इकाई 16 मुक्तिबोध का जीवन-दर्शन और उनकी काव्य-दृष्टि
इकाई 17 मुक्तिबोध का काव्य-शिल्प : फैंटेसी के संदर्भ में
इकाई 18 'अंधेरे में' कविता का विश्लेषण
इकाई 19 धूमिल

खंड 5 नयी कविता-I

इकाई 20 अज्ञेय के काव्य में आधुनिक भावबोध
इकाई 21 अज्ञेय : काव्यभाषा और काव्य-शिल्प
इकाई 22 शमशेर के काव्य की विचार-भूमि
इकाई 23 शमशेर का काव्य : संवेदना और शिल्प

खंड 6 नयी कविता-II

इकाई 24 अपने समय के आर-पार देखता कवि : रघुवीर सहाय
इकाई 25 रघुवीर सहाय का काव्य-शिल्प
इकाई 25 श्रीकांत वर्मा और उनकी कविता

आधुनिक काव्य विविधा (लेखक परिचय और कविताओं का संग्रह)

आधुनिक काव्य विवेचना (आलोचनापरक लेखों का संग्रह)

इस पाठ्यक्रम में आधुनिक काल के कवियों और उनकी कविताओं का अध्ययन किया गया है। इस पाठ्यक्रम में शामिल सभी कवियों पर निबंधात्मक और टिप्पणीपरक आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। पाठ्यक्रम में शामिल कवि हैं :

भारतेन्दु हरिश्चंद्र, मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह दिनकर, नागार्जुन, सच्चिदानंद हीरानंद वात्सयायन अज्ञेय, शमशेर बहादुर सिंह, गजानन माधव मुक्तिबोध, रघुवीर सहाय, श्रीकांत वर्मा एवं धूमिल।

निम्नलिखित कविताओं से भी निबंधात्मक और टिप्पणीपरक प्रश्न पूछे जाएँगे :

कामायनी (जयशंकर प्रसाद); राम की शक्तिपूजा (सूर्यकांत त्रिपाठी निराला); परिवर्तन (सुमित्रानंदन पंत); असाध्य वीणा (अज्ञेय); अंधेरे में (मुक्तिबोध); आत्महत्या के विरुद्ध (रघुवीर सहाय); पटकथा (धूमिल)।

आधुनिक काव्य विविधा में संकलित निम्नलिखित कविताओं से व्याख्यात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे :

क्र.सं.	कवि का नाम	कविताएँ
1.	मैथिलीशरण गुप्त	भारत भारती (काव्यांश) साकेत (नवम सर्ग-काव्यांश)
2.	जयशंकर प्रसाद	आँसू (काव्यांश)
3.	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	जुही की कली बादल राग (6) राजे ने अपनी रखवाली की बाँधों ने नाव इस ठाँव बंधु
4.	सुमित्रानंदन पंत	प्रथम रश्मि भारत माता
5.	महादेवी वर्मा	जो तुम आ जाते एक बार मैं नीर भरी दु:ख की बदली
6.	नागार्जुन	कालिदास बादल को घिरते देखा है अकाल और उसके बाद खुरदरे पैर शासन की बंदूक
7.	अज्ञेय	यह दीप अकेला कलगी बाजरे की हरी घास पर क्षण भर कितनी नावों में कितनी बार
8.	शमशेर बहादुर सिंह	उषा एक पीली शाम
9.	मुक्तिबोध	अंधेरे में (भाग 1 और 2)
10.	रघुवीर सहाय	अंधी पिस्तौल पैदल आदमी रामदास हँसो-हँसो जल्दी हँसो
11.	श्रीकांत वर्मा	बूढ़ा पुल माया-दर्पण मगध के लोग तीसरा रास्ता
12.	धूमिल	नक्सलबाड़ी कविता अकाल-दर्शन रोटी और संसद

विशेष

'आधुनिक काव्य विविधा' में शामिल शेष सभी कविताएँ विस्तृत अध्ययन और कवि की काव्यगत विशेषताओं को समझने के लिए उपयोगी हैं। परंतु इन कविताओं से निबंधात्मक, टिप्पणीपरक और व्याख्यात्मक प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे।

एम.एच.डी.-03 : उपन्यास एवं कहानी

8 क्रेडिट

खंड 1 गोदान : प्रेमचंद

इकाई 1 किसान जीवन के परिप्रेक्ष्य में गोदान

इकाई 2 राष्ट्रीय आंदोलन के संदर्भ में गोदान

इकाई 3 'गोदान' में नारी-चरित्र

खंड 2 धरती धन न अपना और सूखा बरगद

इकाई 4 धरती धन न अपना : दलित जीवन की त्रासदी के संदर्भ में

इकाई 5 धरती धन न अपना : चित्रांकन और आंचलिक पहलू

इकाई 6 सूखा बरगद : मध्यवर्गीय मुस्लिम समाज की मानसिकता

इकाई 7 सूखा बरगद : अल्पसंख्यक समाज में असुरक्षा की भावना

खंड 3 मैला आंचल और बाणभट्ट की आत्मकथा

इकाई 8 मैला आंचल और आंचलिक उपन्यास की अवधारणा

इकाई 9 मैला आंचल में सामाजिक व राजनीतिक संदर्भ

इकाई 10 मैला आंचल : भाषा और शिल्प

इकाई 11 बाणभट्ट की आत्मकथा और भारतीय जीवन दृष्टि

इकाई 12 बाणभट्ट की आत्मकथा का शिल्प

इकाई 13 बाणभट्ट की आत्मकथा की प्रासंगिकता

खंड 4 कहानी-I

इकाई 14 ठाकुर का कुआँ : प्रेमचंद

इकाई 15 पुरस्कार : जयशंकर प्रसाद

इकाई 16 कुत्ते की पूंछ : यशपाल

इकाई 17 पाजेब : जैनेंद्र कुमार

इकाई 18 रोज़ : अज्ञेय

खंड 5 कहानी-II

इकाई 19 पिता : ज्ञानरंजन

इकाई 20 तिरिछ : उदय प्रकाश

इकाई 21 त्रिशंकु : मन्नू भंडारी

खंड 6 कहानी-III

इकाई 22 चीफ की दावत 5 : भीष्म साहनी

इकाई 23 कर्मनाशा की हार : शिवप्रसाद सिंह

इकाई 24 भोलाराम का जीव : हरिशंकर परसाई

इकाई 25 एक दिन का मेहमान : निर्मल वर्मा

इकाई 26 सिक्का बदल गया : कृष्णा सोबती

इकाई 27 यह अंत नहीं : ओमप्रकाश वाल्मीकि

हिंदी कहानी विविधा (लेखक परिचय और कहानियों का संग्रह)

हिंदी कहानी विवेचना (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)

एम.एच.डी.-04 : नाटक और अन्य गद्य विधाएँ

8 क्रेडिट

खंड 1 हिंदी नाटक और रंगमंच-I

इकाई 1 भारतेंदु की नाट्य दृष्टि और 'अंधेर नगरी'
इकाई 2 सामाजिक यथार्थ के परिप्रेक्ष्य में 'अंधेर नगरी'
इकाई 3 'अंधेर नगरी' का नाट्यशिल्प
इकाई 4 जयशंकर प्रसाद की नाट्य दृष्टि और 'स्कंदगुप्त'
इकाई 5 'स्कंदगुप्त' में इतिहास दृष्टि और राष्ट्रीय चेतना
इकाई 6 'स्कंदगुप्त' की रंगमंचीय संभावनाएँ

खंड 2 हिंदी नाटक और रंगमंच-II

इकाई 7 मोहन राकेश की नाट्य सृष्टि
इकाई 8 सामाजिक यथार्थ के परिप्रेक्ष्य में 'आधे-अधूरे'
इकाई 9 'आधे-अधूरे' का नाट्य शिल्प
इकाई 10 'अंधायुग' : मिथकीय आख्यान का पुन:सृजन
इकाई 11 'अंधायुग' में चरित्र सृष्टि
इकाई 12 'अधायुग' का नाट्य शिल्प

खंड 3 एकांकी और नुक्कड़ नाटक

इकाई 13 एकांकी नाटक : ताँबे के कीड़े
इकाई 14 नुक्कड़ नाटक : औरत

खंड 4 गद्य साहित्य की अन्य विधाएँ-I

इकाई 15 निबंध : धोखा (प्रतापनारायण मिश्र)
इकाई 16 निबंध : लोभ और प्रीति (रामचंद्र शुक्ल)
इकाई 17 निबंध : कुटज (हजारी प्रसाद द्विवेदी)
इकाई 18 निबंध : संस्कृति और जातीयता (रामविलास शर्मा)
इकाई 19 निबंध : तीसरे दर्जे का श्रद्धेय (हरिशंकर परसाई)

खंड 5 गद्य साहित्य की अन्य विधाएँ-II

इकाई 20 रेखाचित्र : ठकुरी बाबा (महादेवी वर्मा)
इकाई 21 संस्मरण : वसंत का अग्रदूत (अज्ञेय)
इकाई 22 जीवनी : कलम का सिपाही (अमृतराय)
इकाई 23 आत्मकथा : क्या भूलूँ क्या याद करूँ (हरिवंशराय बच्चन)

खंड 6 गद्य साहित्य की अन्य विधाएँ-III

इकाई 24 यात्रा वृत्तांत : किन्नर देश की ओर (राहुल सांकृत्यायन)
इकाई 25 रिपोर्ताज : अदम्य जीवन (रांगेय राघव)
इकाई 26 साक्षात्कार : ऑक्टेवियो पाज (श्रीकांत वर्मा)

हिंदी गद्य विविधा (लेखक परिचय और रचनाओं का संग्रह)

हिंदी गद्य विवेचना (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)

एम.एच.डी.-06 : हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

8 क्रेडिट

खंड 1 हिंदी साहित्य के इतिहास की भूमिका और आदिकाल

इकाई 1 काल विभाजन और नामकरण
इकाई 2 आदिकाल की पृष्ठभूमि
इकाई 3 नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य
इकाई 4 रासो काव्य एवं लौकिक साहित्य

खंड 2 भक्तिकालीन साहित्य

इकाई 5 भक्तिकाल की पृष्ठभूमि
इकाई 6 निर्गुण ज्ञानमार्गी संत काव्यधारा
इकाई 7 निर्गुण प्रेममार्गी सूफ़ी काव्यधारा
इकाई 8 कृष्ण भक्ति काव्य
इकाई 9 राम भक्ति काव्य

खंड 3 रीतिकालीन साहित्य

इकाई 10 रीतिकालीन कविता की पृष्ठभूमि और आधार
इकाई 11 रीतिकालीन कविता का स्वरूप

खंड 4 आधुनिक साहित्य-I

इकाई 12 आधुनिक साहित्य की पृष्ठभूमि
इकाई 13 भारतेंदु युग
इकाई 14 द्विवेदी युग
इकाई 15 छायावाद

खंड 5 आधुनिक साहित्य-II

इकाई 16 उत्तर-छायावादी कविता
इकाई 17 प्रगतिशील साहित्य
इकाई 18 प्रयोगवाद और नयी कविता
इकाई 19 समकालीन कविता

खंड 6 आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य

इकाई 20 हिंदी कथा साहित्य
इकाई 21 हिंदी नाट्य साहित्य
इकाई 22 हिंदी आलोचना
इकाई 23 निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ
इकाई 24 उर्दू साहित्य का परिचय

खंड 7 भारतीय आर्य भाषाएँ

इकाई 25 विश्व की भाषाएँ और भारतीय भाषा परिवार
इकाई 26 भारोपीय परिवार और भारतीय आर्य भाषाएँ

इकाई 27 संस्कृत से अपभ्रंश तक

इकाई 28 आधुनिक आर्य भाषाएँ और हिंदी

खंड 8 हिंदी भाषा का विकास

इकाई 29 हिंदी भाषा का प्रारंभिक विकास

इकाई 30 आधुनिक युग में हिंदी भाषा का विकास

इकाई 31 हिंदी के बढ़ते चरण

इकाई 32 देवनागरी लिपि का विकास

हिंदी साहित्येतिहास विवेचना (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)

द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों का विवरण

एम.एच.डी.-01 : हिंदी काव्य-1 (आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य) **4 क्रेडिट**

खंड 1 आदि काव्य

इकाई 1 पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता, भाषा और काव्यरूप

इकाई 2 पृथ्वीराज रासो का काव्यत्व

इकाई 3 विद्यापति और उनका युग

इकाई 4 गीतिकाव्य के रूप में विद्यापति पदावली

खंड 2 भक्ति काव्य-1 (निर्गुण काव्य)

इकाई 5 कबीर की विचार चेतना और प्रासंगिकता

इकाई 6 कबीर का काव्य शिल्प

इकाई 7 सूफी मत और जायसी का पद्मावत

इकाई 8 पद्मावत में लोक परंपरा और लोक जीवन

खंड 3 भक्ति काव्य-2 (सगुण काव्य)

इकाई 9 भक्ति आंदोलन के संदर्भ में सूर काव्य का महत्व

इकाई 10 सूरदास के काव्य में प्रेम

इकाई 11 मीरा का काव्य और समाज

इकाई 12 मीरा का काव्य सौंदर्य

इकाई 13 तुलसी के काव्य में युग संदर्भ

इकाई 14 एक कवि के रूप में तुलसीदास

खंड 4 रीति काव्य

इकाई 15 बिहारी के काव्य का महत्व

इकाई 16 घनानंद के काव्य में स्वच्छंद चेतना

इकाई 17 पद्माकर की कविता

हिंदी काव्य विविधा (कवि-परिचय और काव्य संग्रह)

हिंदी काव्य विवेचना (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)

एम.एच.डी.-05 : साहित्य सिद्धांत और समालोचना

8 क्रेडिट

खंड 1 साहित्य की अवधारणा

इकाई 1 काव्य लक्षण अथवा काव्य की परिभाषा
इकाई 2 काव्य प्रेरणा और काव्य हेतु
इकाई 3 काव्य प्रयोजन
इकाई 4 शब्द-शक्ति विवेचन

खंड 2 भारतीय-काव्यशास्त्र : विकास के चरण

इकाई 5 भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख संप्रदाय-I
इकाई 6 भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख संप्रदाय-II

खंड 3 रस-चिंतन के विविध आयाम

इकाई 7 रस की परिभाषा, स्वरूप और रस निष्पत्ति
इकाई 8 साधारणीकरण
इकाई 9 काव्य का अधिकारी

खंड 4 पाश्चात्य काव्यशास्त्र-I

इकाई 10 प्लेटो का काव्य चिंतन
इकाई 11 अरस्तू का साहित्य चिंतन
इकाई 12 लांजाइनस : उदात्त की अवधारणा
इकाई 13 जॉन ड्राइडन : युग परिवेश और आलोचना सिद्धांत
इकाई 14 स्वच्छंदतावादी काव्य चिंतन : वर्ड्सवर्थ और कॉलरिज
इकाई 15 मैथ्यू आर्नल्ड : कला और नैतिकता

खंड 5 पाश्चात्य काव्यशास्त्र-II

इकाई 16 क्रोचे का अभिव्यंजनावाद
इकाई 17 टी.एस.एलियट का साहित्य चिंतन
इकाई 18 आई.ए. रिचर्डस का साहित्य चिंतन
इकाई 19 नयी समीक्षा (न्यू क्रिटिसिज्म) के प्रमुख सिद्धांत

खंड 6 साहित्य सिद्धांत और विचारधाएँ

इकाई 20 आभिजात्यवाद एवं स्वच्छंतावाद
इकाई 21 मनोविश्लेषणावादी आलोचना
इकाई 22 मार्क्सवादी आलोचना
इकाई 23 साहित्य चिंतन के विविध वाद
इकाई 24 साहित्य अध्ययन की प्रमुख पद्धतियाँ
इकाई 25 अस्तित्ववाद, आधुनिकतावाद और उत्तर-आधुनिकता

खंड 7 हिंदी आलोचना

इकाई 26 साहित्य की आधुनिक अवधारणा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल

इकाई 27 शुक्लोत्तर हिंदी आलोचना

इकाई 28 हिंदी की मार्क्सवादी आलोचना और डॉ. रामविलास शर्मा

इकाई 29 साहित्य की विधाएँ

समालोचना से साक्षात्कार (साहित्य-चिंतनपरक लेखों का संग्रह)

एम.एच.डी.-07 : भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा

4 क्रेडिट

खंड 1 भाषाविज्ञान

इकाई 1 भाषा और संप्रेषण

इकाई 2 भारत में भाषा चिंतन

इकाई 3 भाषाविज्ञान की पाश्चात्य परंपरा

इकाई 4 संरचनात्मक भाषाविज्ञान

इकाई 5 चॉम्स्की तथा रूपांतरण-निष्पादन व्याकरण

इकाई 6 समाजभाषाविज्ञान : भाषा और समाज

इकाई 7 हिंदी भाषा क्षेत्र

खंड 2 हिंदी संरचना

इकाई 8 ध्वनि संरचना

इकाई 9 रूप, शब्द और पद

इकाई 10 वाक्य संरचना-I

इकाई 11 वाक्य संरचना-II

इकाई 12 अर्थ संरचना

इकाई 13 प्रोक्ति विश्लेषण

खंड 3 अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान

इकाई 14 मनोभाषाविज्ञान

इकाई 15 भाषा-शिक्षण-I

इकाई 16 भाषा-शिक्षण-II

इकाई 17 अनुवाद

इकाई 18 भाषा तुलना

इकाई 19 शैलीविज्ञान

इकाई 20 कोशविज्ञान

भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा विवेचना (आलेख संग्रह)

'कहानी : विशेष अध्ययन' से संबंधित पाठ्यक्रम

एम.एच.डी–09 : कहानी स्वरूप और विकास

4 क्रेडिट

एम.ए द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी के रूप में अब आप 16 क्रेडिट का 4 पाठ्यक्रमों का कहानी संबंधित माड्यूलर पढ़ रहे हैं। 'कहानीः स्वरूप और विकास (एम.एच.डी–9) इन चारों पाठ्यक्रमों में पहला पाठ्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम 5 खंडों और 20 इकाइयों में विभाजित है। इस माड्यूलर का प्रत्येक पाठ्यक्रम 4 क्रेडिट का है।

इस पाठ्यक्रम में कहानी के सैद्धांतिक पक्ष की चर्चा की गई है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में कहानी संबंधी सैद्धांतिकी की समझ बढ़ाना है। इस पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण इस प्रकार है–

खंड–1 कहानी के सिद्वांत और स्वरूप–1

इकाई 1 कथा और आख्यान के विभिन्न रूप
इकाई 2 कहानी का अर्थ और स्वरूप
इकाई 3 कहानी और अन्य गद्य विधाएँ
इकाई 4 हिंदी कहानी का उद्भव

खंड–2 कहानी के सिद्धांत और स्वरूप–2

इकाई 5 कहानी में वस्तु और शिल्प
इकाई 6 कहानी की भाषिक संरचना
इकाई 7 कहानी का वर्गीकरण औचित्य और सीमाएं
इकाई 8 कहानी की आलोचना की परंपरा

खंड–3 विश्व साहित्य में कहानी

इकाई 9 यूरोप में कहानी
इकाई 10 अमेरिका में कहानी
इकाई 11 एशिया में कहानी
इकाई 12 लैटिन अमेरिकी और अफ्रीकी देशों में कहानी

खंड–4 भारतीय साहित्य में कहानी

इकाई 13 भारत में कथा–कहानी
इकाई 14 नवजागरण काल में भारतीय कहानी
इकाई 15 राष्ट्रीय आंदोलन के दौर में भारतीय कहानी
इकाई 16 स्वतंत्रता के बाद भारतीय कहानी का विकास

खंड–5 हिंदी साहित्य में कहानी

इकाई 17 प्रेमचंद पूर्व और प्रेमचंद कालीन हिंदी कहानी
इकाई 18 प्रेमचंदोत्तर हिंदी कहानी
इकाई 19 नयी कहानी और साठोत्तरी कहानी
इकाई 20 समकालीन हिंदी कहानी

एम.एच.डी–10 : प्रेमचंद की कहानियाँ

4 क्रेडिट

एम.ए द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी के रूप में अब आप 16 क्रेडिट का 4 पाठ्यक्रमों का कहानी संबंधित माड्यूलर पढ़ रहे हैं। 'प्रेमचंद की कहानियाँ' (एम.एच.डी–10) इन चारों पाठ्यक्रमों में दूसरा पाठ्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम 4 खंडों और 19 इकाइयों में विभाजित है। इस माड्यूलर का प्रत्येक पाठ्यक्रम 4 क्रेडिट का है।

यह पाठ्यक्रम प्रेमचंद की कहानियों पर केंद्रित है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रेमचंद की कहानियों के महत्व से परिचित कराना है। इस पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण इस प्रकार है–

खंड–1 प्रेमचंद की कहानियाँ –1

इकाई 1 भारतीय स्वाधीनता आंदोलन और प्रेमचंद की कहानियाँ
इकाई 2 स्त्री जीवन और प्रेमचंद
इकाई 3 दलित जीवन और प्रेमचंद
इकाई 4 किसान जीवन, साम्प्रदायिकता की समस्या और प्रेमचंद

खंड–2 प्रेमचंद की कहानियाँ –2

इकाई 5 प्रेमचंद की कहानी कला
इकाई 6 प्रेमचंद की कहानियाँ और हिंदी आलोचना
इकाई 7 'मनोवृत्ति': विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 8 'बूढ़ी काकी': विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 9 'बेटों वाली विधवा': विश्लेषण और मूल्यांकन

खंड–3 प्रेमचंद की कहानियाँ –3

इकाई 10 'नमक का दारोगा': विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 11 'विध्वंस': विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 12 'गुल्ली डण्डा': विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 13 'जुलूस': विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 14 'समर–यात्रा': विश्लेषण और मूल्यांकन

खंड–4 प्रेमचंद की कहानियाँ

इकाई 15 'सुजान भगत': विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 16 'दो बैलों की कथा': विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 17 'सवासेर गेहूँ': विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 18 'सद्गति': विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 19 'कफन': विश्लेषण और मूल्यांकन

प्रेमचंद कहानी विविधा (संकलित कहानियाँ)

एम.एच.डी–11 : हिंदी कहानी

4 क्रेडिट

एम.ए द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी के रूप में अब आप 16 क्रेडिट का 4 पाठ्यक्रमों का कहानी संबंधित माड्यूलर पढ़ रहे हैं। 'हिंदी कहानी' (एम.एच.डी–11) इन चारों पाठ्यक्रमों में तीसरा पाठ्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम 5 खंडों और 20 इकाइयों में विभाजित है। इस माड्यूलर का प्रत्येक पाठ्यक्रम 4 क्रेडिट का है।

यह पाठ्यक्रम हिन्दी कहानियों पर केंद्रित है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिन्दी कहानी की सामर्थ्य से परिचित कराना है। इस पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण इस प्रकार है–

खंड–1 हिंदी कहानी

इकाई 1 'तीसरी कसम' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 2 'डिप्टी कलक्टरी' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 3 'बदबू' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 4 'राजा निरबंसिया' : विश्लेषण और मूल्यांकन

खंड–2 हिंदी कहानी

इकाई 5 'बिरादरी' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 6 'हंसा जाई अकेला' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 7 'यही सच है' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 8 'मलबे का मालिक' : विश्लेषण और मूल्यांकन

खंड–3 हिंदी कहानी

इकाई 9 'बहिर्गमन' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 10 'गौरेया' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 11 'ड्राइंग रूम' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 12 'क्लॉड ईथरली' : विश्लेषण और मूल्यांकन

खंड–4 हिंदी कहानी

इकाई 13 'एक जीता–जागता व्यक्ति' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 14 'सुख' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 15 'हरी बिंदी' :विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 16 'बोलने वाली औरत' : विश्लेषण और मूल्यांकन

खंड–5 हिंदी कहानी

इकाई 17 'पार्टीशन' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 18 'स्विमिंग पूल' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 19 'बायोडाटा' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 20 'सिलिया' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 21 'तलाश' : विश्लेषण और मूल्यांकन

हिन्दी कहानी विविधा (संकलित कहानियाँ)

एम.एच.डी–12 : भारतीय कहानी

4 क्रेडिट

एम.ए द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी के रूप में अब आप 16 क्रेडिट का 4 पाठ्यक्रमों का कहानी संबंधित माड्यूलर पढ़ रहे हैं। 'भारतीय कहानी' (एम.एच.डी–12) इन चारों पाठ्यक्रमों में चौथा पाठ्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम 4 खंडों और 15 इकाइयों में विभाजित है। इस माड्यूलर का प्रत्येक पाठ्यक्रम 4 क्रेडिट का है।

यह पाठ्यक्रम भारतीय कहानियों पर केंद्रित है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भारतीय कहानी के सामर्थ्य से परिचित कराना है। इस पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण इस प्रकार है–

खंड–1 मलयालम, कन्नड़, तमिल और तेलुगु भाषा की कहानियाँ

इकाई 1 'दीदी': विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 2 'लड़की जिसकी मैंने हत्या की' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 3 'ट्रेडिल' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 4 'प्राणधारा' : विश्लेषण और मूल्यांकन

खंड–2 बांग्ला, असमी और ओड़िया भाषा की कहानियाँ

इकाई 5 'अपने लिए शोकगीत' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 6 'एक और अविस्मरणीय यात्रा' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 7 'बघेई' : विश्लेषण और मूल्यांकन

खंड–3 मराठी, कोंकण, गुजराती और राजस्थानी भाषा की कहानियाँ

इकाई 8 'विद्रोह' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 9 'ओऽरे चुरूंगन मेरे....'. : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 10 'चिता' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 11 'दूजी कबीर': विश्लेषण और मूल्यांकन

खंड–4 उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी और मैथिली भाषा की कहानियाँ

इकाई 12 'टोबा टेक सिंह' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 13 'अपना–अपना कर्ज' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 14 'जवाबी कार्ड' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 15 'पाँच पत्र' : विश्लेषण और मूल्यांकन

भारतीय कहानी विविधा (कहानियों का संकलन)

'उपन्यास : विशेष अध्ययन' संबंधित पाठ्यक्रम

एम.एच.डी.-13 : उपन्यास : स्वरूप और विकास — **4 क्रेडिट**

इस पाठ्यक्रम में उपन्यास स्वरूप और विकास, उसकी वस्तु और शिल्प आदि पर विचार होगा। साथ ही विश्व साहित्य में उपन्यास के बारे में भी विद्यार्थियों को बताया जाएगा। भारतीय साहित्य और हिंदी साहित्य में उपन्यासों के विकास पर भी विचार होगा। इसके लिए विद्यार्थियों को कुल पाँच खंडों में सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। जिसका विवरण नीचे दिया गया है।

खंड 1 उपन्यास के सिद्धांत और स्वरूप-I

इकाई 1 आख्यान के विभिन्न रूप और उपन्यास
इकाई 2 उपन्यास का अर्थ और स्वरूप
इकाई 3 उपन्यास का उदय तथा उसके कारण
इकाई 4 उपन्यास और अन्य विधाएँ

खंड 2 उपन्यास के सिद्धांत और स्वरूप-II

इकाई 1 उपन्यास : वस्तु और शिल्प
इकाई 2 उपन्यास की भाषिक संरचना
इकाई 3 उपन्यास : वर्गीकरण तथा उसके विभिन्न आधार
इकाई 4 उपन्यास की आलोचना दृष्टियाँ

खंड 3 विश्व साहित्य में उपन्यास

इकाई 1 विश्व साहित्य में उपन्यास का उदय
इकाई 2 उन्नीसवीं सदी के यूरोपीय उपन्यास-I
इकाई 3 उन्नीसवीं सदी के यूरोपीय उपन्यास-II
इकाई 4 बीसवीं सदी के उपन्यास

खंड 4 भारतीय साहित्य में उपन्यास

इकाई 1 भारतीय उपन्यास की अवधारणा
इकाई 2 नवजागरण और भारतीय उपन्यास
इकाई 3 राष्ट्रीय आंदोलन और भारतीय उपन्यास
इकाई 4 स्वातंत्र्योत्तर भारतीय उपन्यास

खंड 5 हिंदी साहित्य में उपन्यास

इकाई 1 नवजागरण और हिंदी उपन्यास का उदय
इकाई 2 राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन और हिंदी उपन्यास
इकाई 3 स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास
इकाई 4 हिंदी उपन्यास-आलोचना का विकास

उपन्यास-सिद्धांत-विवेचना (आलोचनात्मक संग्रह)

एम.एच.डी.-14 : हिंदी उपन्यास-1 (प्रेमचंद का विशेष अध्ययन)

4 क्रेडिट

इस पाठ्यक्रम में उपन्यास सम्राट प्रेमचंद के कुछ प्रमुख उपन्यासों जैसे सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि और गबन पर विस्तार से विचार होगा। प्रेमचंद के व्यक्ति और कृतित्व का भी परिचय दिया जाएगा। विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम में निर्धारित उक्त उपन्यासों का आलोचनात्मक अध्ययन करना होगा। साथ ही उपन्यास के प्रमुख अंशों की व्याख्या भी करनी होगी।

खंड 1 प्रेमचंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इकाई 1 प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं जीवन दृष्टि

इकाई 2 प्रेमचंद का साहित्य

इकाई 3 प्रेमचंद की साहित्यिक मान्यताएँ

इकाई 4 प्रेमचंद के उपन्यास और हिंदी आलोचना

खंड 2 सेवासदन

इकाई 5 'सेवासदन' : अंतर्वस्तु का विश्लेषण

इकाई 6 'सेवासदन' : शिल्प संरचना (औपन्यासिक शिल्प)

इकाई 7 'सेवासदन' की नायिका (सुमन)

खंड 3 प्रेमाश्रम

इकाई 8 'प्रेमाश्रम' और कृषि समस्या

इकाई 9 प्रेमाश्रमयुगीन भारतीय समाज और प्रेमचंद का आदर्शवाद

इकाई 10 'प्रेमाश्रम' का औपन्यासिक शिल्प

इकाई 11 ज्ञानशंकर का चरित्र

खंड 4 रंगभूमि

इकाई 12 'रंगभूमि' और औद्योगिकीकरण की समस्या

इकाई 13 'रंगभूमि' पर स्वाधीनता आंदोलन और गांधीवाद का प्रभाव

इकाई 14 'रंगभूमि' का औपन्यासिक शिल्प

इकाई 15 सूरदास का चरित्र

खंड 5 गबन

इकाई 16 'गबन' और राष्ट्रीय आंदोलन

इकाई 17 'गबन' और मध्यवर्गीय समाज

इकाई 18 'गबन' का औपन्यासिक शिल्प

प्रेमचंद : विवेचना (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)

एम.एच.डी.-15 : हिंदी उपन्यास-2

4 क्रेडिट

इस पाठ्यक्रम में हिंदी के कुछ प्रसिद्ध उपन्यासों जैसे झूठा सच, जिन्दगीनामा, सूरज का सातवाँ घोड़ा और राग दरबारी का आलोचनात्मक अध्ययन कराया जाएगा। साथ ही उपन्यास के प्रमुख अंशों की व्याख्या भी करनी होगी।

खंड 1 झूठा सच

इकाई 1 यशपाल का उपन्यास साहित्य और 'झूठा सच'
इकाई 2 देश का विभाजन और 'झूठा सच'
इकाई 3 देश का भविष्य और 'झूठा सच'
इकाई 4 औपन्यासिक महाकाव्य के रूप में 'झूठा सच'

खंड 2 ज़िन्दगीनामा

इकाई 5 कृष्णा सोबती का कथा-साहित्य और 'ज़िन्दगीनामा'
इकाई 6 'ज़िन्दगीनामा' उपन्यास की अन्तर्वस्तु और कथाशिल्प
इकाई 7 'ज़िन्दगीनाम' : प्रमुख पात्र एवं चरित्र चित्रण
इकाई 8 परिवेश और भाषा

खंड 3 सूरज का सातवाँ घोड़ा

इकाई 9 धर्मवीर भारती का कथा साहित्य और 'सूरज का सातवाँ घोड़ा'
इकाई 10 औपन्यासिक शिल्प : 'सूरज का सातवाँ घोड़ा'
इकाई 11 'सूरज का सातवाँ घोड़ा : चरित्र सृष्टि'
इकाई 12 भारती की लेखकीय दृष्टि

खंड 4 राग दरबारी

इकाई 13 स्वातंत्र्योत्तर भारत और 'राग दरबारी'
इकाई 14 'राग दरबारी' में व्यंग्य
इकाई 15 'राग दरबारी' की अन्तर्वस्तु, संरचना-शिल्प और उसकी भाषा
इकाई 16 'राग दरबारी' के पात्र

हिंदी उपन्यास विवेचना (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)

एम.एच.डी.-16 : भारतीय उपन्यास

4 क्रेडिट

इस पाठ्यक्रम में विभिन्न भारतीय भाषाओं के चार प्रमुख उपन्यासों का अध्ययन किया जाएगा। उपन्यासों की अंतर्वस्तु, भाषा और शिल्प सहित विभिन्न पक्षों पर आलोचनात्मक सामग्री विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जाएगी।

खंड 1 चेम्मीन (मलयालम)

इकाई 1 तकषि शिवशंकर पिल्लै : व्यक्तित्व और कृतित्व
इकाई 2 'चेम्मीन' : युग परिवेश
इकाई 3 'चेम्मीन' : विषयवस्तु, कथानक एवं पात्रसृष्टि
इकाई 4 चेम्मीन में कथन तंत्र : मिथ एवं भाषा का प्रयोग
इकाई 5 चेम्मीन का मूल्यांकन

खंड 2 संस्कार (कन्नड़)

इकाई 6 अनंतमूर्ति का लेखकीय परिवेश

इकाई 7 'संस्कार' की सामाजिक चेतना

इकाई 8 'संस्कार' की पात्र योजना

इकाई 9 'संस्कार' : एक मूल्यांकन

खंड 3 मानवीनी भवाई (गुजराती)

इकाई 10 पन्नालाल पटेल का जीवन परिचय और कृतित्व

इकाई 11 पन्नालाल पटेल का युग संदर्भ

इकाई 12 'मानवीनी भवाई' की कथावस्तु और विशेषताएँ

इकाई 13 'मानवीनी भवाई' का मूल्यांकन

इकाई 14 पन्नालाल पटेल की रचनाशीलता

खंड 4 जंगल के दावेदार (बांगला)

इकाई 15 महाश्वेता देवी : व्यक्तित्व और कृतित्व

इकाई 16 बांगला उपन्यास साहित्य और महाश्वेता देवी

इकाई 17 जंगल के दावेदार : सामाजिक चेतना

इकाई 18 कथानक एवं चरित्र

इकाई 19 जंगल के दावेदार : एक मूल्यांकन

भारतीय उपन्यास विवेचना (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)

'दलित साहित्य : विशेष अध्ययन' से संबंधित पाठ्यक्रम

एम.एच.डी.-17 : भारत की चिंतन परंपराएँ और दलित साहित्य

क्रेडिट 4

इस पाठ्यक्रम में दलित साहित्य के संदर्भ में भारत की चिंतन परंपराओं का परिचय दिया जाएगा। इनमें बौद्धकालीन परंपरा, लोकायत परंपरा, सिद्ध और नाथ परंपरा और संत साहित्य परंपरा को शामिल किया गया है। इसके लिए विद्यार्थियों को कुल चार खंडों की 13 इकाइयों में सामग्री उपलब्ध कराई गई है जिसका विवरण नीचे दिया गया है।

खंड 1 : बुद्धकालीन साहित्य परंपरा

इकाई 1 अश्वघोष

इकाई 2 दिङ्नाग और आर्य नागार्जुन

इकाई 3 असंग और वसुबंधु

इकाई 4 धर्मकीर्ति

खंड 2 लोकायत परंपरा (मानवतावादी साहित्य)

इकाई 5 चार्वाक / लोकायत दर्शन

इकाई 6 मिलिन्द और नागसेन

खंड 3 सिद्ध और नाथ परंपरा

इकाई 7 सरहपा तथा चौरासी सिद्ध

इकाई 8 महानुभाव पंथ

इकाई 9 वीरशैव पंथ

इकाई 10 नाथ पंथ

खंड 4 संत साहित्य परंपरा

इकाई 11 कन्नड़ की संत भक्ति परंपरा

इकाई 12 तेलुगु संत परंपरा

इकाई 13 निर्गुण संत परंपरा

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

क्रेडिट 4

'दलित साहित्य: विशेष अध्ययन' मॉड्यूल के पाठ्यक्रम एमएचडी-18 के अंतर्गत दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप पर प्रकाश डाला गया है। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत दलित चिंतक ज्योतिबा फुले, डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर, पेरियार ई.वी. रामास्वामी नायकर, और श्री नारायण गुरु के विचारों से परिचय कराया गया है। इसके अलावा आरंभिक दलित लेखक और दलित संबंधी लेखन का भी परिचय दिया गया है। दलित साहित्य और सौंदर्यशास्त्र से संबंधित पाठ्यसामग्री भी इस पाठ्यक्रम में शामिल की गई है। पाठ्यक्रम में कुल 13 इकाइयाँ हैं जिन्हें चार खंडों में बांटा गया है जिसका विवरण नीचे दिया गया है।

खंड 1: दलित साहित्य का उद्‌भव और विकास

इकाई 1 दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

इकाई 2 दलित साहित्य चिंतन का वैचारिक आधार

इकाई 3 दलित साहित्य परंपरा (प्रेमचंद, निराला और नागार्जुन के विशेष संदर्भ में)

खंड 2 सामाजिक-सांस्कृतिक आंदोलन और दलित साहित्य

इकाई 4 महात्मा ज्योतिबा फूले और सत्यशोधक समाज आंदोलन

इकाई 5 डॉ. आम्बेडकर और दलित मुक्ति आंदोलन

इकाई 6 अछूतानन्द और हीरा डोम : सामाजिक आंदोलन और साहित्यिक अवदान

खंड 3 : दलित साहित्य और चिंतनधारा

इकाई 7 महात्मा ज्योतिबा फूले का चिंतन

इकाई 8 डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर का चिंतन

इकाई 9 ई.वी. रामास्वामी नायकर : चिंतन और विचार

इकाई 10 श्री नारायण गुरु : चिंतन और विचार

खंड 4 दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र

इकाई 11 दलित साहित्य के सौंदर्यशास्त्रीय प्रतिमान

इकाई 12 दलित साहित्य की अभिव्यक्ति और भाषा

इकाई 13 दलित साहित्य : आलोचना

एम.एच.डी. 19 हिन्दी दलित साहित्य का विकास

क्रेडिट 4

एम.ए. हिन्दी के द्वितीय वर्ष के मॉड्यूल दलित साहित्य : 'विशेष अध्ययन' के अंतर्गत पाठ्यक्रम एम एच डी-19 में हिन्दी दलित साहित्य की विभिन्न विधाओं में लिखी गई रचनाओं को शामिल किया गया है। इनमें कविता, कहानी और आत्मकथाओं की प्रतिनिधि रचनाओं को लिया गया है। चार खंडों में विभाजित इस पाठ्यक्रम में कुल 20 इकाइयां हैं जिनका विवरण इस प्रकार है –

खंड 1 हिन्दी दलित कविता

इकाई 1 समकालीन दलित कविता का विकास

इकाई 2 'घृणा तुम्हें मार सकती है' और 'सच यही है' : जाति व्यवस्था को बदलने का संकल्प

इकाई 3 'तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती? और 'चुनौती' : समता की सृजनात्मक पहल

इकाई 4 'जनपथ' और 'अभिलाषा' : प्रतिशोध के मुखर स्वर

इकाई 5 'सुनो ब्राह्मण' और 'विद्रोहिणी' : विषमतावादी मूल्यों से विद्रोह

इकाई 6 'आज का रैदास' और 'द्रोणाचार्य सुनें : उनकी परंपराएँ सुनें' विद्रोह की परंपरा का सृजनात्मक विकास

खंड 2 हिन्दी दलित कहानी-I

इकाई 7 दलित कहानी की विशिष्टता, कथावस्तु : सामाजिक-सांस्कृतिक सरोकार

इकाई 8 पच्चीस चौका डेढ़ सौ : ओमप्रकाश वाल्मीकि

इकाई 9 आवाज़ें : मोहनदास नैमिशराय

इकाई 10 आमने-सामने : विपिन बिहारी

इकाई 11 परिवर्तन की बात : सूरजपाल चौहान

खंड 3 हिन्दी दलित कहानी-II

इकाई 12 लटकी हुई शर्त, प्रह्लादचंद्र दास

इकाई 13 वैतरणी : नीरा परमार

इकाई 14 सुमंगली : कावेरी

इकाई 15 अंगारा : डॉ. कुसुम मेघवाल

खंड 4 हिन्दी दलित आत्मकथन

इकाई 16 दलित आत्मकथा की विशेषता : सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों के दस्तावेज

इकाई 17 'जूठन' : आत्मानुभूति की मर्मांतक अभिव्यक्ति

इकाई 18 'जूठन' : अवमानना और बहिष्कार के दंश

इकाई 19 अपने-अपने पिंजरे-1

इकाई 20 अपने-अपने पिंजरे-2

एम.एच.डी. 20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य

क्रेडिट 4

'दलित साहित्य : विशेष अध्ययन' मॉड्यूल के इस पाठ्यक्रम में हिन्दी से इतर विभिन्न भारतीय भाषाओं में लिखे दलित साहित्य को हिंदी अनुवाद के माध्यम से शामिल किया गया है। इसके अंतर्गत कविता, कहानी, आत्मकथा और उपन्यास विधाओं को शामिल किया है। इस पाठ्यक्रम की कुल 21 इकाइयों को पाँच खंडों में विभाजित किया गया है जिनका विवरण इस प्रकार है।

खंड 1 भारतीय दलित कविता

इकाई 1 मराठी दलित कविता, : 'वृक्ष' और 'माँ'

इकाई 2 तेलुगु दलित कविता : 'गौरेया' और 'खून का सवाल'

इकाई 3 पंजाबी दलित कविता : 'घोड़ा' और 'आज का एकलव्य'

इकाई 4 गुजराती दलित कविता : 'माँ! मैं भला की मेरा भाई', 'पड़' और 'व्यथा'

खंड 2 भारतीय दलित कहानी-I

इकाई 5 जब मैंने जाति छुपाई

इकाई 6 बुद्ध ही मरा पड़ा है

इकाई 7 कवच

इकाई 8 रोटले की नज़र लग गई

इकाई 9 गिद्धानुभूति

खंड 3 भारतीय दलित कहानी-II

इकाई 10 'वर्णबोध और मधुबाबू की कहानी' और 'उम्मीद अब भी बाकी है'

इकाई 11 'गाँव का कुआँ' और 'परती ज़मीन'

इकाई 12 'अमावस' और 'मोची की गंगा'

इकाई 13 'हड्डा रोडी और रेहड़ी' और 'बिच्छू'

खंड 4 भारतीय दलित आत्मकथन

इकाई 14 अक्करमाशी-I

इकाई 15 अक्करमाशी-II

इकाई 16 जीवन हमारा-I

इकाई 17 जीवन हमारा-II

खंड 5 भारतीय दलित उपन्यास

इकाई 18 'मशालची' उपन्यास की कथावस्तु

इकाई 19 'मशालची' में चित्रित दलित जीवन

इकाई 20 'अस्पृश्य वसंत' उपन्यास की कथावस्तु

इकाई 21 'अस्पृश्य वसंत' में चरित्र-चित्रण

उपर्युक्त पाँच खंडों के अतिरिक्त दलित साहित्य से संबंधित चार 'विविधा' पुस्तकें और एक 'विवेचना' पुस्तक भी आपको भेजी जाएंगी जिनका विवरण इस प्रकार है।

1. भारतीय दलित कविता विविधा

इस विविधा में हिन्दी और अन्य भारतीय दलित कवियों द्वारा लिखी 19 कविताओं का संकलन किया गया है। इनमें 10 कविताएँ एम एच डी-19 और 9 कविताएँ पाठ्यक्रम एम एच डी-20 से संबंधित हैं। कवि और कविता का परिचय भी साथ-साथ दिया गया है। जिन कविताओं का संकलन किया गया है वे सभी एम एच डी-19 और 20 के पाठ्यक्रमों में शामिल हैं। पाठ्यक्रम एम एच डी-20 की कविताओं का हिन्दी अनुवाद दिया गया है।

2. भारतीय दलित कहानी विविधा

इस विविधा में कुल 22 कहानियाँ संकलित की गई हैं जो आपके पाठ्यक्रम एम एच डी-19 और एम एच डी-20 का हिस्सा हैं। आरंभिक 9 कहानियाँ एम एच डी-19 से संबंधित हैं जो मूल रूप से हिंदी में लिखी गई हैं। शेष 13 कहानियाँ अन्य भारतीय भाषाओं में लिखी गई हैं और यहाँ इनका हिन्दी अनुवाद दिया गया है। और ये कहानियाँ एम एच डी-20 से संबंधित हैं।

3. भारतीय दलित आत्मकथन विविधा

इस विविधा में कुल चार आत्मकथाओं के अंशों को शामिल किया गया है। मोहनदास नैमिशराय लिखित 'अपने-अपने पिंजरे' और ओम प्रकाश वाल्मीकि की रचना 'जूठन' आपके पाठ्यक्रम एम एच डी-19 से संबंधित है। बेबीताई कांबले की आत्मकथा 'जीवन हमारा' और शरण कुमार लिंबाले की आत्मकथा 'अक्करमाशी' आपके पाठ्यक्रम एम एच डी-20 से संबंधित हैं। दोनों आत्मकथाओं कुछ अंशों का हिन्दी अनुवाद यहाँ शामिल किया गया है।

4. भारतीय दलित उपन्यास विविधा

इस विविधा में दो उपन्यासों डॉ. गुरुचरण सिंह राओ लिखित 'मशालची' और जी. कल्याण राव लिखित 'अस्पृश्यता वसंत' के हिंदी अनुवाद के कुछ अंश शामिल किए गए हैं। ये दोनों उपन्यास पाठ्यक्रम एम एच डी-20 से संबंधित हैं।

5. भारतीय दलित साहित्य विवेचना

इस पुस्तक में कुल 11 वैचारिक और आलोचनात्मक लेखों को शामिल किया गया है। इनमें से कुछ लेख मूल रूप में हिन्दी से भिन्न भाषाओं में लिखे गए हैं और उनका अनुवाद शामिल किया गया है। ये सभी आलेख/निबंध एम एच डी-17, 18, 19 और 20 से संबंधित हैं। इस मॉड्यूल के सभी पाठ्यक्रमों को समझने में यह 'विवेचना' आपके लिए सहायक सिद्ध होगी।

मॉड्यूल '4' – मध्यकालीन कविता

एम एच डी–21 मीरा का विशेष अध्ययन
एम एच डी–22 कबीर का विशेष अध्ययन
एम एच डी–23 मध्यकालीन कविता–1
एम एच डी–24 मध्यकालीन कविता–2

एम एच डी–21 : मीरा का विशेष अध्ययन	
खंड–1 : मीरा का जीवन और युग	
इकाई 1 :	मीरा का जीवन परिचय
इकाई 2 :	मीरा और उनका युग
इकाई 3 :	गुजरात के लोक जीवन में मीरा
इकाई 4 :	परिवार में मीरा
इकाई 5 :	भक्ति आंदोलन में मीरा का महत्व
खंड–2 : मीरा की भक्ति भावना	
इकाई 6 :	मीरा के कृष्ण
इकाई 7 :	मीरा की भक्ति का स्वरूप
इकाई 8 :	मीरा की प्रेमभावना
इकाई 9 :	मध्यकालीन भारतीय भक्त कवयित्रियॉ और मीरा
इकाई 10:	मीरा परवर्ती हिंदी की भक्त कवयित्रियॉ
खंड–3 : मीरा की काव्यकला	
इकाई 11:	मीरा की काव्यकला
इकाई 12:	मीरा की वेदना और विद्रोह
इकाई 13:	मीरा और लोकमानस
इकाई 14:	मीरा की काव्यभाषा
इकाई 15:	मीरा की प्रमुख कविताओं का विश्लेषण
खंड–4 : आज के समय में मीरा का महत्व	
इकाई 16:	स्त्री विमर्श और मीरा
इकाई 17:	हिन्दी आलोचना में मीरा
इकाई 18:	मीरा की प्रासंगिकता

एम एच डी–22 : कबीर का विशेष अध्ययन	
खंड 1 : कबीर का जीवन और युग	
इकाई 1 : इकाई 2 : इकाई 3 : इकाई 4 : इकाई 5 :	कबीर का जीवन और उनका साहित्य कबीर का युग निर्गुण भक्ति परम्परा और कबीर गोरखनाथ, कबीर और तुलसीदास गुरुग्रंथ साहिब और कबीर
खंड 2 : कबीर का चिंतन	
इकाई 6 : इकाई 7 : इकाई 8 : इकाई 9	कबीर के दार्शनिक विचार कबीर की कविता में दर्शन कबीर की सामाजिक मान्यताएँ कबीर और धार्मिक रूढ़िवाद
खंड 3 : कबीर की कला	
इकाई 10: इकाई 11: इकाई 12: इकाई 13:	कबीर की भाषा कबीर काव्य में प्रयुक्त विशिष्ट शब्दावली कबीर के काव्य में छंद और अलंकार कबीर की कविता में व्यंग्य
खंड 4 : कबीर का मूल्यांकन और प्रासंगिकता	
इकाई 14: इकाई 15: इकाई 16: इकाई 17: इकाई 18:	दलित विमर्श और कबीर हिंदी आलोचना में कबीर कबीर की कविताओं का विश्लेषण कबीर और मानव मुक्ति की धारणा कबीर का ऐतिहासिक अवदान

एम एच डी–23 : मध्यकालीन कविता–1	
खंड 1 : मध्ययुगीनता की अवधारणा	
इकाई 1 : इकाई 2 : इकाई 3 :	मध्ययुगीनता की अवधारणा : भक्तिकाल के संदर्भ में भक्तिकाव्य संबीधी विविध दृष्टिकोण भक्तिकाव्य की पारिभाषिक शब्दावली
खंड 2 : मुल्ला दाऊद	
इकाई 4 : इकाई 5 : इकाई 6 :	सूफी काव्य परंपरा और मुल्ला दाऊद 'चंदायन' की कथावस्तु और भावाभिव्यक्ति 'चंदायन' का भाषा–शिल्प
खंड 3 : रविदास	
इकाई 7 : इकाई 8 : इकाई 9	निर्गुण काव्य परंपरा और रविदास रविदास की भक्ति और सामाजिक चेतना रविदास की काव्य–भाषा और शिल्प
खंड 4 : सूरदास	
इकाई 10: इकाई 11: इकाई 12:	कृष्णकाव्य परंपरा और सूरदास सूरदास के काव्य की अंतर्वस्तु सूरदास की काव्यभाषा और शिल्प
खंड 5 : रसखान	
इकाई 13: इकाई 14: इकाई 15:	कृष्णभक्त कवि और रसखान रसखान की कविता में प्रेम और भक्ति रसखान की काव्य कला

एम एच डी–24 : मध्यकालीन कविता–2	
खंड 1 : मध्ययुगीनता की अवधारणा	
इकाई 1 : इकाई 2 :	मध्ययुगीनता की अवधारणा : रीतिकाल के संदर्भ में रीतिकाव्य संबंधी विविध दृष्टिकोण
खंड 2 : रहीम और केशव	
इकाई 3 : इकाई 4 : इकाई 5 : इकाई 6 : इकाई 7 :	नीतिकाव्य परंपरा और रहीम रहीम के काव्य की अंतर्वस्तु, भाषा और शिल्प रीतिकाव्य परंपरा और केशवदास केशवदास : आचार्यत्व एवं कवित्व हिंदी आलोचना में रहीम और केशवदास
खंड 3 : मतिराम और देव	
इकाई 8 : इकाई 9 : इकाई 10: इकाई 11: इकाई 12:	मतिराम के काव्य की श्रृंगारिकता मतिराम की काव्य–कला देव की कविता नायिका–भेद की परंपरा और देव हिंदी आलोचना में मतिराम और देव